चारों दिशा में मैया जी की हो रही जय जयकार लिरिक्स

चारों दिशा में मैया जी की,
हो रही जय जयकार,
नवरातों की पावन बेला,
झूम रहा संसार,
आज आयी माँ,
घर में बाजे रे धम धम धा।bd।

तर्ज – मतलब की इस दुनिया से।

मैं निर्धन हूँ माता रानी,
कैसे तुझे खिलाऊँ माँ,
रूखा सूखा जो मैं खाऊं,
वो ही भोग लगाऊं माँ,
भोजन में भरपूर मिलेगा,
मईया मेरा प्यार,
आज आयी माँ,
घर में बाजे रे धम धम धा।bd।

नवरातों में शेरोवाली,
मेरे घर में आई है,
जात पात माँ कुछ ना देखे,
दुनिया को बतलाई है,
'हर्ष' खड़ा सेवा में तेरी,
मेरा ये परिवार,
आज आयी माँ,
घर में बाजे रे धम धम धा।bd।

सोने के आसन ना मईया,
कैसे तुझे बिठाऊँ माँ,
टूटी फूटी वाणी से माँ,
कैसे तुझे रिझाऊं माँ,
लेकिन अँखियों में ओ मईया,
खूब भरा तेरा प्यार,
आज आयी माँ,
घर में बाजे रे धम धम धा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चारों दिशा में मैया जी की,
हो रही जय जयकार,
नवरातों की पावन बेला,
झूम रहा संसार,
आज आयी माँ,
घर में बाजे रे धम धम धा।bd।

Singer – Priyanka Sonkar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com